

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आलोचना से कोई भी मनुष्य बच नहीं सकता है। जो मनुष्य जितना बड़ा होता है, उसकी आलोचनाएँ भी उतनी बड़ी होती हैं। अतः आलोचना से घबराकर धैर्य नहीं खोना चाहिए। अपने द्वारा व्यक्त प्रतिक्रिया पर ही हमारा सम्मान, भावनात्मक, दृढ़ता और प्रसन्नता निर्भर करती है। आलोचना दो प्रकार की होती है – रचनात्मक व विध्वंसात्मक। प्रत्येक मनुष्य को जीवन में किसी-न-किसी समय आलोचना का शिकार होना पड़ता है। आलोचना सम्मान पर प्रत्यक्ष हमला करती है इसलिए क्रोध आना भी स्वाभाविक है।

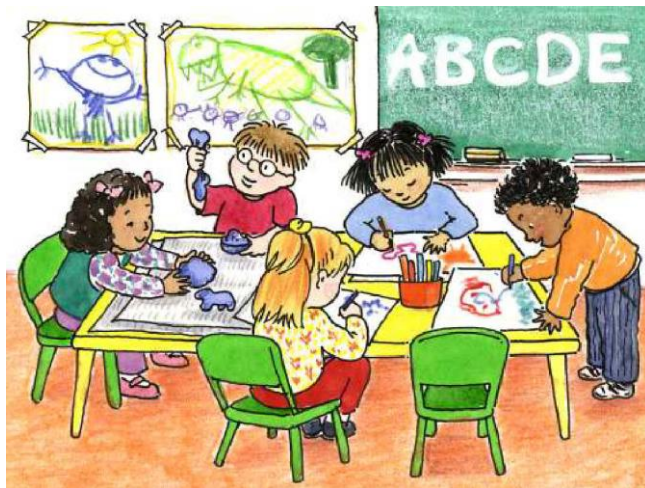
आलोचना को कभी शत्रु नहीं मानना चाहिए कि दूसरा व्यक्ति बदनाम करने के लिए लांछन लगा रहा है। ऐसा सदैव नहीं होता है। भ्रम भी कारण हो सकता है। घटना का उद्देश्य सही रूप से न समझ पाने पर लोग सामान्य अनुमान यही लगा लेते हैं कि शत्रुतावश ऐसा कहा जा रहा है, जबकि उसकी भूल इतनी सी होती है कि कारण को समझे बिना किसी बात का मनगढ़ंत, मतलब निकलता है और जाँच-पड़ताल या प्रतीक्षा किए बिना जो मन में आया, वह कहने लगता है। निंदा करनेवालोंका इसमें घाटा ही रहता है।

झूठी निंदा बड़ी बुरी मानी जाती है। फिर विद्वेष उसका कारण माना जाता है। निंदा सुनकर क्रोध आना और बुरा लगना स्वाभाविक है, क्योंकि इससे स्वयं के स्वाभिमान को चोट लगती है, पर समझदार लोगों के लिए उचित है कि ऐसे अवसरों पर संयम से काम लें, आवेश में आकर विग्रह न खडा करें। यह देखे कि आलोचना का अवसर उसे किस घटना या कारणवश मिला। यदि उसमें व्यवहार की भूल है तो भी विचार करना चाहिए कि अटपटे व्यवहार भी कई बार दोष-दुर्गुण जैसे ही खतरनाक होते हैं। यदि बात सुनी-सुनाई है तो अवसर पाकर उन्हीं से पूछ लेना चाहिए कि उसने इस प्रकार गलतफहमी क्यों उत्पन्न की, कारण तो पूछ लेना चाहिए कि इस प्रकार गलतफहमी क्यों उत्पन्न की, कारण तो पूछ लिया होता। आलोचना की गई बातों को सत्यता की कसौटी पर कसें।

- (i) आलोचना का क्या अर्थ है? अपनी आलोचना सुनकर हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए?
- (ii) आलोचना किस-किस तरह से की जा सकती है और आलोचना सुनकर हमारी क्या प्रतिक्रिया होती है?
- (iii) आलोचना को शत्रु क्यों नहीं मानना चाहिए?
- (iv) यदि आलोचना मनगढ़ंत है तो हमें क्या करना चाहिए और क्यों?
- (v) 'बातों को सत्यता की कसौटी पर कसें' इस पंक्ति से लेखक का क्या अभिप्राय है?
- (vi) निम्नलिखित गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
- (vii) गद्यांश को पढ़कर क्या सीख मिलती है? लगभग २०-३० शब्दों में लिखिए।

Worksheet - 2

1. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए। (कोई एक)



Worksheet - 3

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में लेख लिखिए।(कोई दो)

- (i) देश की प्रगति में भ्रष्टाचार सबसे बड़ा बाधक है। उसके कारणों एवं छुटकारे के उपायों की विवेचना कीजिए।
- (ii) □अच्छी संगति बदलाव लाती है।□ इस विषय को आधार बनाकर कहानी लिखिए।
- (iii) □आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में रिश्ते-नातों की अहमियत खत्म होती जा रही है।- इसके क्या कारण हैं? आप इन रिश्तों को सँजोने के लिए क्या करेंगे?
- (iv) नगर के बढ़ते हुए प्रदूषण को नियंत्रित करने में बाग- बगीचों का महत्व स्पष्ट कीजिए।
- (v) कल्पना कीजिए कि आप □कौन बनेगा करोड़पति□ में पाँच करोड़ रूपए जीत गए हैं। उससे आपको कोई तीन कार्य करने हैं आप कौन-कौन से कार्य करेंगे, जिससे आपको अधिकतम संतुष्टि हो।
- (vi) □आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में रिश्ते-नातों की अहमियत खत्म होती जा रही है।- इसके क्या कारण हैं? आप इन रिश्तों को संजोने के लिए क्या करेंगे?
- (vii) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो-“खोदा पहाड़ निकली चुहिया।□
- (viii) प्रातः कालीन भ्रमण से क्या-क्या लाभ है? क्या आप प्रातः भ्रमण के लिए जाते हैं? बताइए कि प्रातः काल का दृश्य कैसा होता है?
- (ix) ‘परिश्रम ही जीवन का आधार है’-विषय पर एक लेख लिखिए।
- (x) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो-“मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना।”

2. निम्नलिखित विषय पर एक औपचारिक और एक अनौपचारिक पत्र लगभग 120 शब्दों में लिखिए।

- (i) अपने मित्र को पत्र लिखकर ‘इंटरनेट के प्रयोग’ से होने वाले लाभ और हानियों पर प्रकाश डालिए। साथ ही उसे यह भी बताइए कि इसका सदुपयोग किस प्रकार किया जा सकता है?
- (ii) आप पिछले दो दिनों से विद्यालय में ठीक समय पर उपस्थित नहीं हो पा रहे थे। प्रधानाचार्य को विद्यालय में विलम्ब से पहुँचने का कारण बताते हुए क्षमादान के लिए पत्र लिखिए।
- (iii) आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्व आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया है। अपने शहर के ‘पुलिस कमिश्नर’ को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए।
- (iv) अपने विद्यालय के किसी रंगारंग कार्यक्रम का वर्णन करते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

Worksheet - 4

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (कोई पाँच)

- (i) प्रीति मोंगा की क्या-क्या रुचियाँ हैं?
- (ii) 'प्रीति मोंगा में आत्मविश्वास कूट-कूटकर भरा है।' इस कथन को स्पष्ट करते हुए एक अनुच्छेद लिखे।
- (iii) प्रीति मोंगा ने बच्चों को क्या संदेश दिया है? अपने शब्दों में लिखे।
- (iv) चित्र के किस चित्र की अत्यधिक सराहना हुई? उसकी प्रेरणा उसे कहाँ से मिली?
- (v) सच्ची कला जीवन की अभिव्यक्ति है- विषय पर एक अनुच्छेद लिखे।
- (vi) एक समाज सुधारक की दृष्टि से लाला जी ने कौन-कौन से महत्वपूर्ण कार्य किए?
- (vii) 'नई पृथ्वी की रचना' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

2. आशय स्पष्ट कीजिए।

- (i) मैं तो रोम-रोम से तुम्हारी पूजा करता हूँ।
- (ii) मेरा जो कुछ है, उन्हीं का है।
- (iii) बिना मतलब जिंदगी खराब कर रही है।
- (iv) जाने क्या था उस सारे दृश्य में कि मैं अपने को रोक न सकी।
- (v) ये सचमुच के बच्चे थे, मौसी।

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- (i) दोहे का अर्थ लिखिए- माटी कहे कुम्हार से, तू क्या थापे मोय।
इक दिन ऐसा आएगा, मैं थापुंगी तोय।
- (ii) इन पंक्तियों की व्याख्या करें-
पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन
आओं रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन
इन्द्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन
फिर-फिर आए जीवन में सावन मनभावन।